Series : HGFE1

SET ~ 2

प्रश्न-पत्र कोड **3/1/2**

रोल नं.

परीक्षार्थी प्रश्न-पत्र कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें।

नोट :

(I) कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **15** हैं।

(II) प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए प्रश्न-पत्र कोड को परीक्षार्थी उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें।

(III) कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **15** प्रश्न हैं।

(IV) **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, उत्तर-पुस्तिका में यथा स्थान पर प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।**

(V) इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है। प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा। 10.15 बजे से 10.30 बजे तक परीक्षार्थी केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे।

#

हिन्दी (अ)

HINDI (A)

*निर्धारित समय : **3** घण्टे* | *अधिकतम अंक : **80***

सामान्य निर्देश :

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका सख़्ती से अनुपालन कीजिए :

(i) *इस प्रश्न-पत्र में कुल **15** प्रश्न हैं। **सभी** प्रश्न **अनिवार्य** हैं।*

(ii) *इस प्रश्न-पत्र में कुल **चार** खण्ड हैं – खण्ड **क**, **ख**, **ग** और **घ**।*

(iii) ***खण्ड क** में कुल **2** प्रश्न हैं, जिनमें उपप्रश्नों की संख्या **10** है।*

(iv) ***खण्ड ख** में कुल **4** प्रश्न हैं, जिनमें उपप्रश्नों की संख्या **20** है।*

(v) ***खण्ड ग** में कुल **5** प्रश्न हैं, जिनमें उपप्रश्नों की संख्या **21** है।*

(vi) ***खण्ड घ** में कुल **4** प्रश्न हैं।*

(vii) *प्रश्न-पत्र में समग्र विकल्प नहीं दिया गया है। यद्यपि, कुछ खण्डों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं, दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

(viii) *यथासंभव सभी खण्डों के उत्तर क्रमशः लिखिए।*

खण्ड क

(अपठित बोध)

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर लिखिए : *7*

दिनकर जी ने माना है कि उन पर प्रारम्भ से ही जितना प्रभाव रवीन्द्रनाथ ठाकुर का रहा उतना ही मोहम्मद इकबाल का। बाद में इलियट की काव्य-शैली और विचार-दृष्टि ने उनके कवि मानस को छूकर दूर भीतर तक उन्मथित कर दिया। परिणामत: उनकी कविताओं ने एक नई भंगिमा को ग्रहण किया।

दिनकर जी अपने युग के एक प्रमुख कवि ही नहीं, सफल और प्रभावपूर्ण गद्य लेखक भी थे। सीधी-सरल भाषा और अत्यन्त प्रांजल शैली में उन्होंने विभिन्न साहित्यिक विषयों पर निबन्ध भी दिए हैं, तो बोधकथा, डायरी-संस्मरण भी, और दर्शन-इतिहासगत तथ्यों के विवेचन भी।

'दिनकर' जी जीवन भर संघर्षरत रहे। साहित्य और राजनीति दोनों के बीच उनका मन रमता था और इन दोनों ही क्षेत्रों में उनको सफलता मिली। साहित्य जगत द्वारा प्रदत्त ज्ञानपीठ पुरस्कार ने दिनकर जी को प्रफुल्लित कर दिया। उनके अन्तरंग मित्रों को यह ज्ञात है कि ज्ञानपीठ पुरस्कार उनके जीवन के अन्तिम अध्याय का स्वर्णिम क्षण सिद्ध हुआ। पुरस्कार प्राप्त कर 'दिनकर' जी अभिभूत थे क्योंकि कवि का मन अपनी रचनाओं की स्वीकृति, विशेष रूप से सुधीजनों द्वारा उनका प्रशंसित और समादृत होना, अपनी सबसे बड़ी उपलब्धि मानता है। ज्ञानपीठ पुरस्कार के मिलने के बाद उन्होंने अप्रैल, 1974 में तिरुपति की यात्रा की। जब 'दिनकर' जी मद्रास पहुँचे तो यह एक सुखद संयोग था कि उनके सर्वाधिक स्नेही मित्र थे गंगाशरण सिंह और जयप्रकाश बाबू भी वहीं थे। उसी शाम उन्होंने मद्रास के समुद्र तट पर अपने कुछ मित्रों को अपनी सुन्दर-सुन्दर रचनाएँ सुनाईं। तब कोई नहीं जानता था कि आज 23 – 24 अप्रैल की शाम गंगा की गोद में उत्पन्न दिनकर जी के अस्ताचल जाने की शाम थी। उसी रात मद्रास में ही 'दिनकर' जी की जीवन लीला समाप्त हो गई और फिर उनका पार्थिव शरीर मद्रास से दिल्ली होकर पटना लाया गया।

(i) निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए विकल्पों से सही उत्तर चुनकर लिखिए : *1*

कथन : पुरस्कार प्राप्त कर मन अभिभूत हो जाता है।

कारण : पुरस्कार विद्वज्जनों द्वारा दी जाने वाली सराहना और सम्मान का प्रतीक है।

विकल्प :

(A) कथन ग़लत है और कारण भी पूरी तरह ग़लत ही है।

(B) कथन सही है परंतु कारण आंशिक रूप से सही है।

(C) कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण, कथन की उचित व्याख्या भी है।

(D) कथन और कारण दोनों सही हैं, परंतु कारण, कथन की उचित व्याख्या ***नहीं*** है।

(ii) दिनकर जी के लेखन पर किन-किन कवियों का प्रभाव रहा है ? *1*

I. इलियट

II. रवीन्द्रनाथ ठाकुर

III. मोहम्मद इकबाल

IV. गंगाशरण सिंह

(A) I, III और IV

(B) I, II और III

(C) II, III और IV

(D) I, II और IV

(iii) दिनकर जी के बारे में कौन-सा तथ्य ***असत्य*** है ? *1*

(A) वे एक प्रमुख कवि थे परंतु असफल गद्य लेखक भी थे।

(B) उनकी शैली प्रांजल थी तथा वे साहित्यिक निबंध लिखते थे।

(C) ज्ञानपीठ पुरस्कार उनके जीवन के अंतिम अध्याय का स्वर्णिम पन्ना है।

(D) बोधकथा, डायरी, संस्मरण के अतिरिक्त दिनकर जी ने इतिहास के विषय में भी लिखा है।

(iv) दिनकर जी की रचनाशीलता की दो विशेषताएँ उदाहरण सहित लिखिए। *2*

(v) ज्ञानपीठ पुरस्कार का दिनकर जी के जीवन में क्या महत्त्व रहा ? *2*

2. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर लिखिए : *7*

संध्या ने मेघों के कितने चित्र बनाये —
हाथी, घोड़े, पेड़, आदमी, जंगल, क्या-क्या
नहीं रच दिया और कभी रंगों से क्रीड़ा
की, आकृतियाँ नहीं बनायीं। कभी चलाए
झीने से बादल जिनमें चटकीली लाली
उभर उठी थी, जिनकी आभा हरियाली पर
थिरक उठी थी। जाते-जाते क्षितिज-पटी पर
सूरज ने सोना बरसाया। छाया काली
बढ़ने लगी, रंग धीरे-धीरे फिर बदले,
पेंसिल के रेखा-चित्रों से बादल छाए।
विविध रूप आकार बदलते से, ज्यों न्हाए
हुए प्रकाश और छाया में, अपना पद ले।
रात उतर आयी, दिखलायी दिये सितारे,
पेड़, गाँव अस्पष्ट दिखे, मानव-दृग हारे।

(i) संध्या के आसमान के बारे में कवि का क्या कहना है ? *1*

(A) आसमान को काले मेघों ने आच्छादित कर लिया है।

(B) चारों तरफ रंगों और आकृतियों की भीड़ है।

(C) आसमान में मेघों ने विभिन्न आकृतियाँ बनाईं।

(D) पशुओं की आकृतियों को बना उनमें रंग भरा।

(ii) क्षितिज-पटी का रूप बार-बार क्यों बदलता रहा ? *1*

I. प्रकाश और छाया के बदलते स्वरूप के कारण

II. संध्या के सूर्य की बदलती रोशनी और रंगों के कारण

III. आसमान में बादलों से बनी हाथी, घोड़े, पेड़ आदि आकृतियों के कारण

विकल्प :

(A) केवल I और II

(B) I, II और III सभी

(C) केवल II और III

(D) केवल I और III

(iii) कथन और कारण को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए : *1*

कथन : आसमान में छाए बादलों को कवि ने पेंसिल से बनाए रेखा-चित्र कहा है।

कारण : उनमें डूबते सूर्य की लाली भर गई है।

विकल्प :

(A) कथन ग़लत है, किंतु कारण सही है।

(B) कथन और कारण दोनों ग़लत हैं।

(C) कथन सही है और कारण ग़लत है।

(D) कथन सही है और कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।

(iv) काव्यांश के लिए एक उपयुक्त शीर्षक दीजिए और उस शीर्षक को चुनने का तर्क भी लिखिए। *2*

(v) काव्यांश के आधार पर संध्या के सौंदर्य का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए। *2*

खण्ड ख

(व्यावहारिक व्याकरण)

3. निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य-भेद' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं ***चार*** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *4×1=4*

(क) पत्र पढ़ते ही पिताजी खुशी से झूम उठे। (मिश्र वाक्य में बदलिए)

(ख) हमारे बीच से वह चला गया जो हममें से सबसे अधिक छायादार फल-फूल गंध से भरा था। (सरल वाक्य में बदलिए)

(ग) उनके मन में अपनी माँ और बड़ी बहन के लिए बहुत स्नेह था। (रचना की दृष्टि से वाक्य का भेद पहचानकर लिखिए)

(घ) वे इलाहाबाद में रहते हुए बार-बार दिल्ली आते-जाते थे। (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

(ङ) माँ ने बचपन में ही घोषित कर दिया था कि लड़का हाथ से गया। (आश्रित उपवाक्य पहचानिए और उसका भेद भी लिखिए)

4. निर्देशानुसार 'वाच्य' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं ***चार*** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *4×1=4*

(क) मैं उस पवित्र ज्योति की याद में श्रद्धानत हूँ। (वाच्य को पहचानकर उसका भेद लिखिए)

(ख) नवाब साहब ने एक पल खिड़की से बाहर देखकर गौर किया। (कर्मवाच्य में बदलिए)

(ग) मुझसे सुबह जल्दी उठा नहीं जाता है। (कर्तृवाच्य में बदलिए)

(घ) वह हर वर्ष गंगा-स्नान के लिए जाते थे। (वाच्य-भेद पहचानकर लिखिए)

(ङ) मैं अपने-आप नहीं जा सकता। (भाववाच्य में बदलिए)

5. निर्देशानुसार 'पद-परिचय' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं ***चार*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *4×1=4*

(क) <u>पूरब</u> में लोही लग गई थी।

(ख) हालदार साहब <u>भावुक</u> हैं।

(ग) <u>उसे</u> नेताजी की बगैर चश्मे वाली मूर्ति बुरी लगती है।

(घ) वह एक काला, मोटा <u>और</u> खुशमिज़ाज आदमी था।

(ङ) उनके चेहरे पर एक कौतुकभरी मुस्कान <u>फैल गई</u>।

6. निर्देशानुसार 'अलंकार' पर आधारित निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं ***चार*** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *4×1=4*

(क) कोटि कुलिस सम बचनु तुम्हारा।
व्यर्थ धरहु धनु बान कुठारा ॥ – (रेखांकित में कौन-सा अलंकार है ?)

(ख) चरण-कमल बंदौ हरि राई। – (पंक्ति में प्रयुक्त अलंकार की पहचान कीजिए)

(ग) मेघ आए बड़े बन-ठन के सँवर के। – (पंक्ति में प्रयुक्त अलंकार की पहचान कीजिए)

(घ) अतिशयोक्ति अलंकार का एक उपयुक्त उदाहरण किसी काव्य पंक्ति के द्वारा दीजिए।

(ङ) उत्प्रेक्षा अलंकार का एक उपयुक्त उदाहरण कविता की पंक्तियों द्वारा समझाइए।

खण्ड ग

(पाठ्य-पुस्तक एवं पूरक पाठ्य-पुस्तक पर आधारित)

7. निम्नलिखित पठित काव्यांश पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *5×1=5*

मधुप गुन-गुना कर कह जाता कौन कहानी यह अपनी,
मुरझाकर गिर रहीं पत्तियाँ देखो कितनी आज घनी।
इस गंभीर अनंत-नीलिमा में असंख्य जीवन-इतिहास
यह लो, करते ही रहते हैं अपना व्यंग्य-मलिन उपहास
तब भी कहते हो – कह डालूँ दुर्बलता अपनी बीती।
तुम सुनकर सुख पाओगे, देखोगे – यह गागर रीती।
किंतु कहीं ऐसा न हो कि तुम ही खाली करने वाले –
अपने को समझो, मेरा रस ले अपनी भरने वाले।
यह विडंबना ! अरी सरलते तेरी हँसी उड़ाऊँ मैं।
भूलें अपनी या प्रवंचना औरों की दिखलाऊँ मैं।

(i) कवि ने इन पंक्तियों में 'मधुप' का प्रयोग किस अर्थ में किया है ?

(A) संसार रूपी भ्रमर

(B) मन रूपी भ्रमर

(C) लोलुप मित्रगण

(D) कविता के पाठक

(ii) 'मुरझाकर गिर रहीं हैं पत्तियाँ देखो' – के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं ?

I. कवि के जीवन से सुख रूपी पत्तियाँ गिर रही हैं।

II. संसार में जीवन नश्वर है और एक न एक दिन सबको नष्ट होना है।

III. कवि के मित्र एक-एक कर साथ छोड़ते हुए जा रहे हैं।

विकल्प :

(A) केवल II सही है।

(B) I, II और III तीनों सही हैं।

(C) I और II सही हैं।

(D) I और III सही हैं।

(iii) कथन और कारण को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए :

कथन : कवि अपनी आत्मकथा नहीं लिखना चाहता है।

कारण : महान लोगों की असंख्य आत्मकथाएँ इस साहित्य संसार में पहले से ही मौजूद है।

विकल्प :

(A) कथन सही है, परंतु कारण ग़लत है।

(B) कथन और कारण दोनों ग़लत हैं।

(C) कथन सही है और कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।

(D) कथन और कारण दोनों सही हैं, परंतु कारण, कथन की सही व्याख्या ***नहीं*** करता है।

(iv) कवि ने अपने मित्रों/पाठकों से क्या-क्या सवाल किए हैं ?

I. क्या तुम मेरे जीवन का खालीपन देख सुखी हो पाओगे ?

II. आत्मकथाओं का व्यंग्य और उपहास उड़ाया जाता है, ऐसे में तुम क्यों चाहते हो कि मैं अपनी दुर्बलता लिखूँ ?

III. क्या मेरे जीवन का सुख लेकर तुमने अपने जीवन को भर लिया है ?

विकल्प :

(A) I, II और III तीनों

(B) केवल I और III

(C) केवल I और II

(D) केवल II और III

(v) कवि विडंबना किसे कह रहा है ?

(A) इस संसार में सीधेपन का मज़ाक उड़ाया जाता है।

(B) दोस्त-मित्र ही अकसर छल करते हैं।

(C) सच्ची आत्मकथाओं का भी उपहास उड़ाया जाता है।

(D) जीवन अपनी भूलों और दूसरों की प्रवंचनाओं का मिश्रण मात्र होता है।

8. निर्धारित कविताओं के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं ***तीन*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 25 – 30 शब्दों में लिखिए : *3×2=6*

(क) गोपियों के जीवन पर कृष्ण का क्या प्रभाव दिखता है ? 'सूर के पदों' के आधार पर दो बिंदुओं में अपनी बात लिखिए।

(ख) फ़सल प्रकृति और मानव की सहभागिता का सर्वोत्कृष्ट रूप है – कैसे ? 'फ़सल' कविता के संदर्भ में लिखिए।

(ग) 'संगतकार' की भूमिका क्या होती है ? कवि मंगलेश डबराल उस भूमिका में 'मनुष्यता' को क्यों देखते हैं ?

(घ) 'अट नहीं रही है' कविता का कवि किन भावों में डूबा हुआ है ? उसके भावों के लिए उत्तरदायी कारक कौन-से हैं ?

9. निम्नलिखित पठित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *5×1=5*

ऊपर की तसवीर से यह नहीं माना जाए कि बालगोबिन भगत साधु थे। नहीं, बिलकुल गृहस्थ ! उनकी गृहिणी की तो मुझे याद नहीं, उनके बेटे और पतोहू को तो मैंने देखा था। थोड़ी खेती-बारी भी थी, एक अच्छा साफ़-सुथरा मकान भी था।

किंतु, खेती-बारी करते, परिवार रखते भी, बालगोबिन भगत साधु थे – साधु की सब परिभाषाओं में खरे उतरने वाले। कबीर को 'साहब' मानते थे, उन्हीं के गीतों को गाते, उन्हीं के आदेशों पर चलते। कभी झूठ नहीं बोलते, खरा व्यवहार रखते। किसी से भी दो-टूक बात करने में संकोच नहीं करते, न किसी से खामखाह झगड़ा मोल लेते। किसी की चीज़ नहीं छूते, न बिना पूछे व्यवहार में लाते। इस नियम को कभी-कभी इतनी बारीकी तक ले जाते कि लोगों को कुतूहल होता ! – कभी वह दूसरे के खेत में शौच के लिए भी नहीं बैठते ! वह गृहस्थ थे; लेकिन उनकी सब चीज़ 'साहब' की थी। जो कुछ खेत में पैदा होता, सिर पर लादकर पहले उसे साहब के दरबार में ले जाते – जो उनके घर से चार कोस दूरी पर था – एक कबीरपंथी मठ से मतलब ! वह दरबार में 'भेंट' रूप रख लिया जाकर 'प्रसाद' रूप में जो उन्हें मिलता, उसे घर लाते और उसी से गुज़र चलाते !

(i) लेखक के अनुसार बालगोबिन भगत 'बिलकुल गृहस्थ' कैसे थे ?

I. उनके पास खेती-बारी थी।

II. उनका एक अच्छा और साफ़-सुथरा मकान था।

III. उनके परिवार में बेटे और बहू के साथ-साथ उनकी गृहिणी भी मौजूद थी।

IV. वे एक पारिवारिक व्यक्ति थे।

विकल्प :

(A) I, II और III

(B) II, III और IV

(C) III, IV और I

(D) I, II और IV

(ii) कथन और कारण को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए :

कथन : गृहस्थ होते हुए भी बालगोबिन भगत साधु थे।

कारण : क्योंकि वे अपनी पारिवारिक भूमिका नहीं निभाते थे।

विकल्प :

(A) कथन सही है, परंतु कारण ग़लत है।

(B) कथन और कारण दोनों ग़लत हैं।

(C) कथन और कारण दोनों सही हैं तथा कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।

(D) कथन और कारण दोनों सही हैं, परंतु कारण, कथन की सही व्याख्या ***नहीं*** करता है।

(iii) बालगोबिन भगत कबीर को 'साहब' मानते थे – पंक्ति का आशय है :

(A) बालगोबिन भगत कबीर को बड़ा संत मानते थे।

(B) बालगोबिन भगत कबीर को ईश्वर-तुल्य मानते थे।

(C) बालगोबिन भगत कबीर को पिता-तुल्य मानते थे।

(D) बालगोबिन भगत कबीर को समाज-सुधारक मानते थे।

(iv) गद्यांश में वर्णित उदाहरणों में से किस उदाहरण को हम सबसे बड़ा प्रमाण बता सकते हैं, जिससे यह साबित हो कि बालगोबिन भगत कबीर को सबसे अधिक मानते थे ?

(A) सुबह-शाम, खेती-किसानी के समय भी कबीर के पदों को गाते रहना।

(B) कभी झूठ न बोलना और सबसे खरा व्यवहार करना।

(C) दूसरे के खेत में निवृत्त होने के लिए भी न जाना और सबसे दो-टूक व्यवहार करना।

(D) अपनी पूरी फ़सल को कबीर-दरबार में चढ़ाना और प्रसाद स्वरूप जो मिले उसे स्वयं के लिए लाना।

(v) अनुच्छेद में भगत के विषय में जो जानकारियाँ हैं, उस आधार पर वे हैं :

I. सत्यवादी

II. स्पष्टतावादी

III. सच्चे भक्त

विकल्प :

(A) I, II और III तीनों

(B) केवल III

(C) केवल I और III

(D) केवल II और III

10. निर्धारित गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं ***तीन*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 25 – 30 शब्दों में लिखिए : *3×2=6*

(क) 'भारत रत्न' से सम्मानित बिस्मिल्ला खाँ की उपलब्धियों के पीछे कौन-से कारण हैं ?

(ख) 'लखनवी अंदाज़' के दोनों पात्र नवाबी संस्कृति के ही प्रतिनिधि हैं – उदाहरण सहित सिद्ध कीजिए।

(ग) हालदार साहब ने मूर्ति पर चश्मा लगाने वाले का नाम 'कैप्टन' सुनकर उसके बारे में क्या अनुमान लगाया ? उन्हें उन अनुमानों के ग़लत साबित होने पर कैसा लगा ?

(घ) 'माता-पिता के व्यक्तित्व और व्यवहार दोनों से बच्चों का बचपन प्रभावित होता है ।' – 'एक कहानी यह भी' पाठ के आधार पर दो उदाहरणों से इस कथन को सिद्ध कीजिए।

11. पूरक पाठ्य-पुस्तक के निर्धारित पाठों पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग 50 – 60 शब्दों में लिखिए : *2×4=8*

(क) 'माता का अँचल' पाठ में बच्चों का पशु-पक्षियों के प्रति कैसा व्यवहार दिखता है ? उदाहरण सहित लिखिए। पशु-पक्षियों के प्रति हमारा व्यवहार कैसा होना चाहिए ? अपने विचारों के आधार पर लिखिए।

(ख) 'पत्थर तोड़ती मज़दूर पहाड़ी महिलाओं के भीतर जीवन का उल्लास मौजूद था' – यह कथन किस आधार पर कहा जा सकता है ? उन स्त्रियों और उनकी जीवन स्थितियों का वर्णन करते हुए बताइए कि आप उनसे क्या सीख सकते हैं।

(ग) 'मैं क्यों लिखता हूँ' पाठ के आधार पर प्रत्यक्ष अनुभव और अनुभूति का अंतर स्पष्ट करते हुए बताइए कि अगर आप कभी लेखन के क्षेत्र में गए तो दोनों में से किसे महत्त्व देंगे और क्यों ?

खण्ड घ
(रचनात्मक लेखन)

12. निम्नलिखित तीन विषयों में से किसी ***एक*** विषय पर दिए गए संकेत-बिंदुओं के आधार पर लगभग 120 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए : *6*

(क) डिजिटल दौर में मानवीय संपर्क

संकेत-बिंदु

- मानवीय संपर्कों और संबंधों की आवश्यकता
- बढ़ते डिजिटल दौर में वास्तविक संबंधों में कमी और वायवीय (वर्चुअल) संबंधों के रूप
- वर्तमान समय की माँग

(ख) पारंपरिक खान-पान के लाभ

संकेत-बिंदु

- पारंपरिक खान-पान क्या है ?
- भोजन में स्थानीय पदार्थों का महत्त्व क्यों होता है ?
- स्वास्थ्य की दृष्टि से इसका महत्त्व

(ग) पुस्तकें आज भी हमारी सबसे अच्छी मित्र हैं

संकेत-बिंदु

- अच्छी पुस्तकें कैसे एक अच्छे मित्र की तरह होती हैं।
- वर्तमान समय में भी पुस्तकों की जगह बची हुई है।
- उम्र के हर मोड़ पर अलग-अलग तरह की पुस्तकें मददगार होती हैं।

13. (क) आपका नाम हिमानी/हेमराज है। नगर-निगम ने आपके मोहल्ले में स्थित पार्क का सौंदर्यीकरण करवाया है साथ ही बच्चों के लिए झूलों की व्यवस्था की है। इस संदर्भ में धन्यवाद ज्ञापन देते हुए नगर-निगम अध्यक्ष को लगभग 100 शब्दों में एक पत्र लिखिए। 5

अथवा

(ख) आपका नाम हिमानी/हेमराज है। आपने अपने माता-पिता को बातचीत करते सुना कि वे आपकी मोबाइल फोन में डूबे रहने और गेमिंग की दुनिया में खोने की आदतों से परेशान होकर आपको एक आवासीय विद्यालय (बोर्डिंग स्कूल) में भेजना चाह रहे हैं। अपने पिता को लगभग 100 शब्दों में एक पत्र लिखकर अनुरोध कीजिए कि वे ऐसा न करें। तर्कपूर्ण बिंदुओं में यह भी स्पष्ट कीजिए कि आप स्वयं में किस प्रकार सुधार लाएँगे। 5

14. (क) आप आमना/अमन हैं। अ.ब.स. बैंक के प्रबंधक को, एक शहर से दूसरे शहर में बचत खाता स्थानांतरित करने की प्रक्रिया जानने हेतु लगभग 80 शब्दों में एक ई-मेल लिखिए। 5

अथवा

(ख) आप अमन/आमना हैं और अभी-अभी आपने 'पटना मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल' से एम.बी.बी.एस. की डिग्री पूरी की है। वहीं पर इंटर्न डॉक्टर के पद पर आवेदन करने के लिए लगभग 80 शब्दों में एक स्ववृत्त तैयार कीजिए। 5

15. (क) आपकी बहन ने 'दियारा' नाम से पॉल्ट्री (मुर्गीपालन) का व्यवसाय ऑनलाइन एवं ऑफलाइन दोनों माध्यमों से शुरू किया है। इस कंपनी की खूबियों को दर्शाने वाला एक आकर्षक विज्ञापन लगभग 40 शब्दों में बनाइए। *4*

अथवा

(ख) आपका नाम सोमा/सोमप्रभ है। अपने मामा-मामी को नए घर की बधाई देते हुए गृहप्रवेश के अवसर पर शुभकामना संदेश लगभग 40 शब्दों में लिखिए। *4*

अंकन योजना

अत्यंत गोपनीय (केवल आंतरिक और सीमित प्रयोग हेतु)

सेकेंडरी स्कूल परीक्षा 2025

कक्षा- 10 वीं　　विषय: हिंदी (A)　　विषय कोड- 002　　प्रश्न पत्र कोड- 3/1/2

सामान्य निर्देश:

1.	आप जानते हैं कि परीक्षार्थियों के सही और उचित आकलन के लिए उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी सी भूल भी गंभीर समस्याओं को जन्म दे सकती है जो परीक्षार्थियों के भविष्य, शिक्षा व्यवस्था और अध्ययन-अध्यापन व्यवस्था को भी प्रभावित कर सकती है। गलतियों से बचने के लिए अनुरोध किया जाता है कि मूल्यांकन प्रारंभ करने से पूर्व ही आप मूल्यांकन निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ और समझ लें।
2.	मूल्यांकन नीति एक गोपनीय नीति है। आयोजित परीक्षाओं की गोपनीयता, किए गए मूल्यांकन और कई अन्य पहलुओं से संबंधित होने की वजह से मूल्यांकन की गोपनीयता अनिवार्य है। किसी भी प्रकार से इसके सार्वजनिक होने या 'लीक' होने पर परीक्षा व्यवस्था पर दुष्प्रभाव पड़ सकता है जिससे लाखों उम्मीदवारों का जीवन और भविष्य प्रभावित हो सकता है। इस नीति/दस्तावेज को किसी से भी साझा करना, किसी पत्रिका में प्रकाशित करना और समाचार पत्र/वेबसाइट आदि में छापना भारतीय दंड संहिता (IPC) के तहत कार्रवाई को आमंत्रित कर सकता है।
3.	मूल्यांकन अंकन योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही किया जाना चाहिए, अपनी व्यक्तिगत व्याख्या या किसी अन्य धारणा के अनुसार नहीं। यह अनिवार्य है कि अंकन योजना का अनुपालन समग्रतापूर्वक और निष्ठापूर्वक किया जाए। हालाँकि, मूल्यांकन करते समय, जो उत्तर नवीनतम जानकारी या ज्ञान पर आधारित या अभिनव हैं (innovative), उनकी सत्यता और उपयुक्तता को परखते हुए उचित अंक दिए जा सकते हैं। कक्षा दसवीं के प्रश्न पत्र में दिए गए दो दक्षता आधारित (competency based) प्रश्नों का मूल्यांकन करने में कृपया विद्यार्थियों द्वारा दिए गए उत्तर को समझने का प्रयास करें। विद्यार्थियों द्वारा दिए गए उत्तर चाहे अंकन योजना में दिए गए उत्तर से मेल न खाते हों, तब भी यदि उन्होंने सही दक्षताओं को व्यक्त किया हो तो उन्हें उचित अंक दिए जाने चाहिए।
4.	अंकन योजना में उत्तरों के लिए केवल बिंदु सुझाए जाते हैं। ये बिंदु प्रकृति में केवल दिशानिर्देशों की भाँति होते हैं और पूरे उत्तर का प्रतिनिधित्व नहीं करते हैं। विद्यार्थी अपनी शैली में उत्तर दे सकते हैं और यदि उनकी अभिव्यक्ति सही है, तो उसके अनुसार उचित अंक दिए जाने चाहिए।
5.	अंकन योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही मूल्यांकन किया गया है, यह सुनिश्चित करने के लिए मुख्य परीक्षक पहले दिन प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता द्वारा जाँची गई पहली पाँच उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन की जाँच

	ध्यानपूर्वक करें। यदि कोई अंतर है, तो विचार-विमर्श और चर्चा के बाद वह समाप्त /शून्य हो जाना चाहिए। परीक्षकों को मूल्यांकन के लिए शेष उत्तरपुस्तिकाएँ तभी दी जाएँ जब मुख्य परीक्षक आश्वस्त हो कि मूल्यांकनकर्ताओं के अंकन में बहुत अधिक भिन्नता नहीं है।
6.	मूल्यांकनकर्ता सही उत्तर पर सही का निशान (✓) लगाएँ। गलत उत्तर के लिए गलत का चिह्न (x) लगाएँ। मूल्यांकनकर्ता द्वारा ऐसा चिह्न न लगाने से ऐसा लगता है कि उत्तर सही है परंतु उस पर अंक नहीं दिए गए हैं। यह मूल्यांकनकर्ताओं द्वारा की जाने वाली सबसे आम गलती है।
7.	यदि किसी प्रश्न के उपभाग भी हों, तो कृपया प्रश्नों के प्रत्येक उपभाग के उत्तर पर **दाईं** ओर अंक दिए जाएँ। बाद में, उस प्रश्न के सभी उपभागों के इन अंकों का योग बाईं ओर के हाशिये में लिखकर उसे गोलाकृत कर दिया जाए। इसका अनुपालन दृढ़तापूर्वक किया जाए।
8.	यदि किसी प्रश्न का कोई उपभाग न हो, तो **बाईं** ओर के हाशिये में अंक दिए जाएँ और उन्हें गोलाकृत किया जाए। इसके अनुपालन में भी दृढ़ता बरती जाए।
9.	यदि परीक्षार्थी ने किसी प्रश्न का उत्तर दो स्थानों पर लिख दिया है और किसी एक को काटा नहीं है तो जिस उत्तर पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों, उस पर अंक दें और दूसरे को काट दें। यदि परीक्षार्थी ने अतिरिक्त प्रश्न/प्रश्नों का उत्तर दे दिया है तो जिन उत्तरों पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों, उन्हीं पर अंक दें और अन्य उत्तर को काटकर उस पर 'अतिरिक्त प्रश्न' लिख दें।
10.	एक ही प्रकार की अशुद्धि बार-बार हो तो हर बार उसके अंक न काटें। एक जैसी त्रुटि के लिए अंक एक बार ही काटे जाएँ।
11.	यहाँ यह ध्यान रखना होगा कि मूल्यांकन में संपूर्ण अंक पैमाने 0-80 (उदाहरण के लिए प्रश्न-पत्र में दिए अधिकतम अंकों के अनुसार 0 से 80/70/60/50/40/30 अंक) का प्रयोग अनिवार्य रूप से किया जाए। परीक्षार्थी ने यदि सभी अपेक्षित उत्तर बिंदुओं का उल्लेख किया है तो उसे पूरे 80 अंक देने में संकोच न करें।
12.	प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता को पूर्ण कार्य अवधि में अर्थात 8 घंटे प्रतिदिन अनिवार्य रूप से मूल्यांकन कार्य करना है और प्रतिदिन मुख्य विषयों की 20 उत्तर पुस्तिकाएँ तथा अन्य विषयों की 25 उत्तर पुस्तिकाएँ जाँचनी हैं। (विस्तृत विवरण 'स्पॉट गाइडलाइन' में दिया गया है)
13.	नीचे कुछ सामान्य त्रुटियों की सूची दी गई है जिन्हें पिछले वर्षों में मूल्यांकनकर्ताओं द्वारा किया जाता रहा है। यह सुनिश्चित करें कि आप इस प्रकार की त्रुटियाँ न करें– • उत्तरपुस्तिका में किसी उत्तर या उत्तर के अंश को जाँचे बिना छोड़ देना • उत्तर के लिए निर्धारित अंकों से अधिक अंक दे देना • उत्तर के लिए दिए गए अंकों का योग ठीक न होना • उत्तरपुस्तिका के अंदर दिए गए अंकों का आवरण पृष्ठ पर सही अंतरण न होना • आवरण पृष्ठ पर प्रश्नानुसार योग करने में अशुद्धि • आवरण पृष्ठ पर दो कॉलम के अंकों का योग करने में अशुद्धि

	• कुल अंकों के योग में अशुद्धि • प्राप्तांकों को संख्याओं और शब्दों में लिखने में अंतर होना • उत्तरपुस्तिकाओं से ऑनलाइन अंकसूची में सही अंतरण न होना • उत्तरों पर सही का चिह्न (✓) लगाना किंतु अंक न देना। (सुनिश्चित करें कि (✓) या (x) का उपयुक्त चिह्न ठीक ढंग से और स्पष्ट रूप से लगा हो। यह मात्र एक रेखा के रूप में न हो) • उत्तर का एक भाग सही और बाकी गलत हो किंतु कोई अंक न दिए गए हों।
14.	उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते हुए, यदि कोई उत्तर पूर्ण रूप से गलत हो तो उस पर (x) निशान लगाएँ और शून्य (0) अंक दें।
15.	उत्तरपुस्तिका पर किसी प्रश्न का बिना जाँच किए छूट जाना, मुख्य पृष्ठ पर अंतरण न होना या प्राप्तांकों के योग में किसी त्रुटि का पता लगना मूल्यांकन कार्य से जुड़े सभी लोगों की छवि को और केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद की प्रतिष्ठा को धूमिल करता है। इसलिए, सभी की प्रतिष्ठा को बनाए रखने के लिए यह फिर से दोहराया जाता है कि निर्देशों का सावधानीपूर्वक और विवेकपूर्ण तरीके से पालन किया जाए।
16.	सभी मूल्यांकनकर्ता वास्तविक मूल्यांकन कार्य प्रारंभ करने से पहले 'स्पॉट इवैल्यूएशन' के निर्देशों से सुपरिचित अवश्य हो जाएँ।
17.	प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता सुनिश्चित करे कि सभी उत्तरों का मूल्यांकन किया जा चुका है, आवरण पृष्ठ पर तथा योग में कोई अशुद्धि नहीं रह गई है तथा कुल योग को शब्दों और अंकों में लिखा गया है।
18.	केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद पुनर्मूल्यांकन प्रक्रिया के अंतर्गत परीक्षार्थियों के अनुरोध पर निर्धारित शुल्क भुगतान के बाद उन्हें उत्तर पुस्तिकाओं की फोटो कॉपी प्राप्त करने की अनुमति देती है। सभी मूल्यांकनकर्ताओं/अतिरिक्त मुख्य परीक्षकों/ प्रधान परीक्षकों को एक बार फिर याद दिलाया जाता है कि वे सुनिश्चित करें कि प्रत्येक उत्तर का मूल्यांकन अंक योजना में दिए गए मूल्य बिंदुओं के अनुसार ही किया जाए।

अंकन योजना मार्च, 2025

प्रश्न पत्र कोड: 3/1/2

विषय: हिंदी (पाठ्यक्रम 'अ') **विषय कोड 002** **कक्षा – दसवीं**

प्रश्न संख्या	उत्तर-संकेत / मूल्य बिंदु	अंक
	[खंड - क] (अपठित बोध)	14
1.	अपठित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित :	7
(i)	(C) कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण, कथन की उचित व्याख्या भी है।	1
(ii)	(B) I, II और III	1
(iii)	(A) वे एक प्रमुख कवि थे परंतु असफल गद्य लेखक भी थे।	1
(iv)	परीक्षार्थी गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर **दो** उपयुक्त बिंदुओं में उत्तर लिखेंगे- • **कविता और गद्य दोनों पर समान अधिकार :** न केवल महत्त्वपूर्ण कवि, बल्कि गद्य की विविध शैलियों में लेखन • **प्रभावशाली शैली :** कविताओं में नई भंगिमा • **विधाओं की विविधता :** निबंध, डायरी-संस्मरण और ऐतिहासिक तथा दार्शनिक विवेचनों का लेखन • **सरल और प्रांजल भाषा :** निबंधों की रचना में स्पष्टता, गद्य में सीधी-सरल, सहज, स्पष्ट भाषा का प्रयोग * कोई दो उपयुक्त बिंदु लिखने पर (1+1=2 अंक) ------------------------------ *केवल एक उपयुक्त बिंदु लिखने पर (1 अंक) ------------------------------ * असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	2
(v)	परीक्षार्थी गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर **दो** उपयुक्त बिंदुओं में उत्तर लिखेंगे - • अत्यंत हर्ष का अवसर • जीवन के अंतिम अध्याय का स्वर्णिम क्षण • साहित्यिक योगदान की उच्चतम स्वीकृति का प्रतीक • प्रशंसा और सम्मान मिलने का प्रमाण	2

	• गौरव और संतोष का भाव • अपनी रचनाओं की स्वीकृति से अभिभूत * कोई दो उपयुक्त बिंदु लिखने पर (1+1=2 अंक) ------------------------------ * केवल एक उपयुक्त बिंदु लिखने पर (1अंक) ------------------------------ * असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	
2.	अपठित काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित :	7
(i)	(C) आसमान में मेघों ने विभिन्न आकृतियाँ बनाईं।	1
(ii)	(A) केवल I और II	1
(iii)	(C) कथन सही है और कारण गलत है।	1
(iv)	परीक्षार्थी काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उपयुक्त स्वतंत्र उत्तर लिखेंगे, **जैसे-** • **उपयुक्त शीर्षक :** संध्या : मेघमय सौंदर्य/ मेघों ने कितने चित्र बनाए / संध्या का सौंदर्य / प्रकाश और छाया का सांध्य नृत्य • **शीर्षक के लिए तर्क:** मेघों में बने रंग-बिरंगे चित्रों से संध्या के सौंदर्य का निखरना * कोई उपयुक्त शीर्षक एवं तर्क लिखने पर (1+1=2अंक) ------------------------------ * केवल शीर्षक या केवल तर्क लिखने पर (1 अंक) ------------------------------ * असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	2
(v)	परीक्षार्थी काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर **दो** उपयुक्त बिंदुओं में उत्तर लिखेंगे- • मेघों की तरह-तरह की आकृतियाँ • रंग-बिरंगा आसमान • सूरज का सुनहरा प्रकाश • डूबते हुए सूरज के साथ बढ़ता अँधेरा • क्षितिज पर बने रंगीन चित्र अब पेंसिल के रेखा-चित्र जैसे	2

	* कोई दो उपयुक्त बिंदु लिखने पर (1+1=2 अंक) ------------------------------ * केवल एक उपयुक्त बिंदु लिखने पर (1 अंक) ----------------------------- * असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	
	[खंड - ख] (व्यावहारिक व्याकरण)	16
3.	'रचना के आधार पर वाक्य-भेद' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के सही उत्तर अपेक्षित :	4
(क)	जैसे ही पत्र पढ़ा, पिताजी खुशी से झूम उठे।	1
(ख)	हमारे बीच से सबसे अधिक छायादार फल-फूल गंध से भरा वह चला गया। अथवा हममें से सबसे अधिक छायादार फल-फूल गंध से भरा वह चला गया।	1
(ग)	सरल वाक्य	1
(घ)	वे इलाहाबाद में रहते थे और बार-बार दिल्ली आते-जाते थे।	1
(ङ)	लड़का हाथ से गया - संज्ञा आश्रित उपवाक्य	½+½=1
4.	'वाच्य' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के सही उत्तर अपेक्षित :	4
(क)	कर्तृवाच्य	1
(ख)	नवाब साहब द्वारा एक पल खिड़की से बाहर देखकर गौर किया गया।	1
(ग)	मैं सुबह जल्दी नहीं उठ पाता/ सकता (पाती/ सकती)	1
(घ)	कर्तृवाच्य	1
(ङ)	मुझसे अपने आप नहीं जाया जा सकता।	1
5.	'पद-परिचय' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के लिए **सही व्याकरणिक कोटि** के साथ कोई **एक अन्य बिंदु** अपेक्षित :	4
(क)	पूरब- संज्ञा, व्यक्तिवाचक, पुल्लिंग, एकवचन, अधिकरण कारक	1

(ख)	भावुक- विशेषण, गुणवाचक, एकवचन, पुल्लिंग, 'हालदार साहब' विशेष्य	1
(ग)	उसे- सर्वनाम, पुरुषवाचक, अन्यपुरुष, पुल्लिंग/ स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्म कारक	1
(घ)	और- अव्यय, समुच्चयबोधक, समानाधिकरण, 'मोटा' और 'खुशमिज़ाज' पदों को जोड़ रहा है।	1
(ङ)	फैल गई- क्रिया, सकर्मक, स्त्रीलिंग, एकवचन, भूतकाल, कर्तृवाच्य	1
6.	'अलंकार'' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के सही उत्तर अपेक्षित :	4
(क)	उपमा अलंकार	1
(ख)	रूपक अलंकार	1
(ग)	मानवीकरण अलंकार	1
(घ)	अतिशयोक्ति अलंकार के उपयुक्त उदाहरण पर पूरे अंक दिए जाएँ - **उदाहरणार्थ** : एक साथ रघु ने पैरों से चाँपा अविकल। पितृ-दत्त सिंहासन और सकल अरिमंडल।	1
(ङ)	उत्प्रेक्षा अलंकार के उपयुक्त उदाहरण पर पूरे अंक दिए जाएँ - **उदाहरणार्थ** : उस काल मारे क्रोध के तनु काँपने उसका लगा, मानो हवा के वेग से सोता हुआ सागर जगा।	1
	[खंड - ग] (पाठ्य-पुस्तक और पूरक पाठ्य-पुस्तक पर आधारित)	30
7.	पठित काव्यांश पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित :	5
(i)	(B) मन रूपी भ्रमर	1
(ii)	(C) I और II सही हैं ।	1
(iii)	(D) कथन और कारण दोनों सही हैं , परंतु कारण, कथन की सही व्याख्या **नहीं** करता है।	1
(iv)	(A) I, II और III तीनों	1
(v)	(A) इस संसार में सीधेपन का मज़ाक उड़ाया जाता है।	1
8.	निर्धारित कविताओं के आधार पर चार में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित :	6
(क)	परीक्षार्थी कविता के आधार पर कोई **दो** उपयुक्त बिंदु लिखेंगे- • कृष्ण के एकनिष्ठ प्रेम में डूबना	2

	• कृष्ण-प्रेम के अतिरिक्त कोई अन्य मार्ग स्वीकार्य न होना • कृष्ण के विरह में अत्यंत व्याकुल होना • अपने प्रेम और विरह को प्रकट करना (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य) * दो उपयुक्त बिंदु लिखने पर (1+1=2 अंक) ------------------------------ * केवल एक उपयुक्त बिंदु लिखने पर (1 अंक) ------------------------------ *असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	
(ख)	परीक्षार्थी कविता के आधार पर उपयुक्त उत्तर लिखेंगे- • फ़सल के उपजने में प्रकृति के तत्त्वों- मिट्टी, पानी, हवा, प्रकाश के साथ मनुष्य के परिश्रम का भी बराबर योगदान है। (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य) * उपयुक्त उत्तर लिखने पर (2 अंक) ----------------------------- * उपयुक्त उत्तर न लिख पाने परंतु फसल के बारे में थोड़े-बहुत वाक्य लिखने पर (1अंक) ------------------------------ *असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	2
(ग)	प्रश्न के दोनों हिस्सों के लिए परीक्षार्थी कविता के आधार पर उपयुक्त उत्तर लिखेंगे- • मुख्य गायक का साथ देना; • संगतकार द्वारा सच्चे मन से अपनी भूमिका का निर्वाह और जान-बूझकर अपने स्वर को मुख्य गायक के स्वर से ऊँचा न उठाने की कोशिश (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य) * दोनों हिस्सों का उपयुक्त उत्तर लिखने पर (1+1=2 अंक) ------------------------------ * एक हिस्से का उपयुक्त उत्तर लिखने	2

	अथवा * संगतकार के संदर्भ में थोड़े-बहुत वाक्य लिखने पर (1 अंक) ------------------------------ *असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	
(घ)	प्रश्न के दोनों हिस्सों के लिए परीक्षार्थी कविता के आधार पर उपयुक्त उत्तर लिखेंगे- **भाव:** • प्रसन्नता में • उत्साह, उमंग में • कल्पना में; **कारक** : • फागुन माह में वसंत ऋतु का भरपूर प्राकृतिक सौंदर्य • सुवासित हवा • रंग-बिरंगे फूल और नए कोमल लाल-हरे पत्ते (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य) * दोनों हिस्सों का उपयुक्त उत्तर लिखने पर (1+1=2 अंक) ------------------------------ *एक हिस्से का उपयुक्त उत्तर लिखने अथवा * कविता के आधार पर प्रकृति का थोड़ा-बहुत वर्णन करने पर (1 अंक) ------------------------------ *असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	2
9.	पठित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित :	5
(i)	(D) I, II और IV	1
(ii)	(A) कथन सही है, परंतु कारण गलत है।	1
(iii)	(B) बालगोबिन भगत कबीर को ईश्वर-तुल्य मानते थे।	1
(iv)	(D) अपनी पूरी फ़सल को कबीर-दरबार में चढ़ाना और प्रसाद स्वरूप जो मिले उसे स्वयं के लिए लाना।	1

(v)	(A) I, II और III तीनों	1
10.	निर्धारित गद्य पाठों के आधार पर चार में से किन्हीं **<u>तीन</u>** प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित :	6
(क)	परीक्षार्थी पाठ के आधार पर **दो** उपयुक्त बिंदु लिखेंगे- • संगीत के प्रति संपूर्ण समर्पण • शहनाई वादन में विशिष्ट प्रतिभा • अथक परिश्रम और नियमित रियाज़ • निरंतर सीखने की लगन • पारिवारिक और सामाजिक परिवेश (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य) *दो उपयुक्त बिंदु लिखने पर (1+1=2 अंक) ------------------------------ *केवल एक उपयुक्त बिंदु लिखने पर अथवा * पाठ के आधार पर बिस्मिल्ला खाँ के बारे में थोड़ा-बहुत वर्णन करने पर (1 अंक) ------------------------------ *असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	2
(ख)	परीक्षार्थी पाठ के आधार पर दो उपयुक्त बिंदुओं उत्तर लिखेंगे- • **झूठा आत्मसम्मान** : नवाब द्वारा संगति के लिए उत्साह न दिखाया जाना और लेखक का भी आत्मसम्मान में आँखें चुरा लेना • **संभ्रांत वर्ग से होना :** औपचारिकतापूर्ण व्यवहार और परिष्कृत लखनवी भाषा का प्रयोग • **शिष्टाचार का पालन करना :** नवाब साहब द्वारा खीरा खाने के बारे में पूछना और लेखक का विनम्रता से मना करना • **दिखावे में विश्वास रखना :** लेखक द्वारा नवाब साहब की पेशकश को ठुकरा देना, नवाब साहब द्वारा अपनी शान बनाए रखने के लिए खीरा खाने की बजाय सूँघकर खिड़की से बाहर फेंक देना (अन्य उपयुक्त उत्तर भी स्वीकार्य)	2

	* दो उपयुक्त उदाहरण लिखने पर (1+1=2 अंक) ------------------------------ *केवल एक उपयुक्त उदाहरण लिखने पर अथवा *उपयुक्त उत्तर नहीं लिख पाने परंतु प्रश्न के संदर्भ में थोड़े-बहुत वाक्य लिखने पर (1 अंक) ------------------------------ *असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	
(ग)	प्रश्न के दोनों हिस्सों के लिए परीक्षार्थी पाठ के आधार पर उपयुक्त उत्तर लिखेंगे- • कैप्टन नेताजी सुभाष चन्द्र बोस का साथी या आज़ाद हिंद फौज का भूतपूर्व सैनिक/ स्वतंत्रता सेनानी • कोई प्रभावशाली, महत्त्वपूर्ण और प्रतिष्ठित व्यक्ति; • अवाक् रह गए (अन्य उपयुक्त उत्तर भी स्वीकार्य) * दोनों हिस्सों का उपयुक्त उत्तर लिखने पर (1+1=2 अंक) ------------------------------ *किसी एक हिस्से का उपयुक्त उत्तर लिखने पर (1 अंक) ------------------------------ *असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	2
(घ)	परीक्षार्थी कविता के आधार पर कोई **<u>दो</u>** उपयुक्त उदाहरण लिखेंगे- • माँ के दब्बू और असहाय व्यक्तित्व को देखकर उनके जैसा न बनने का निर्णय • पिता द्वारा बहन के साथ की गई तुलना के प्रभाव स्वरूप लेखिका में हीन भावना • पिता का व्यक्तित्व अधिक प्रभावी होने के कारण न चाहते हुए भी लेखिका में पिता के स्वभाव की झलक • पिता द्वारा देश की तत्कालीन स्थितियों पर चर्चा में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करना और रसोईघर से दूर रहकर पढ़ाई-लिखाई के लिए प्रेरित करना (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य) * दो उपयुक्त उदाहरण लिखने पर (1+1=2 अंक)	2

	------------------------------ *केवल एक उपयुक्त उदाहरण लिखने पर अथवा * पाठ के आधार पर लेखिका के माता-पिता के बारे में थोड़ा-बहुत वर्णन करने पर (1 अंक) ------------------------------ *असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	
11.	पूरक पाठ्य-पुस्तक पर आधारित तीन प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित :	8
(क)	प्रश्न के पहले हिस्से के लिए परीक्षार्थी पाठ के आधार पर उपयुक्त उत्तर लिखेंगे- **व्यवहार**: ● अनजाने में निर्दयी व्यवहार ● खेल का सामान समझना **उदाहरण:** ● खेत में चिड़ियों-तितलियों के पीछे भागना और उन्हें पकड़ने की कोशिश करना ● चूहों के बिल में पानी डालना; प्रश्न के दूसरे हिस्से के लिए परीक्षार्थी उपयुक्त स्वतंत्र और तर्कपूर्ण उत्तर लिखेंगे, **जैसे-** ● करुणा और सहानुभूति से भरा व्यवहार रखना ● पशु-पक्षियों को न सताना *प्रश्न के दोनों हिस्सों का उपयुक्त उत्तर लिखने पर (2+2= 4 अंक) ------------------------------ *एक हिस्से का विस्तृत उत्तर और दूसरे का अत्यंत संक्षिप्त उत्तर लिखने पर (3 अंक) ------------------------------ *एक हिस्से का उपयुक्त उत्तर लिखने और दूसरे का उत्तर न लिखने पर (2 अंक) ------------------------------ * किसी एक हिस्से का अत्यंत संक्षिप्त उत्तर लिखने पर (1 अंक) ------------------------------ *असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	4
(ख)	प्रश्न के पहले दोनों हिस्सों के लिए परीक्षार्थी पाठ के आधार पर उपयुक्त उत्तर लिखेंगे-	4

<table>
<tr><td></td><td>
आधार :
● वे अचानक किसी बात पर ठहाका लगाकर हँस पड़ीं;

जीवन स्थितियाँ :
● अथक परिश्रम, मातृत्व और श्रम-साधना का संतुलन (पत्थर तोड़ने का कार्य करते हुए छोटे बच्चे साथ)
● प्रतिकूल परिस्थितियाँ- गरीबी, अभावों, वंचनाओं की शिकार, कठोर एवं विषम प्राकृतिक स्थितियाँ;

सीख : प्रश्न के इस हिस्से के लिए परीक्षार्थी दो बिंदुओं में उपयुक्त स्वतंत्र उत्तर लिखेंगे, जैसे-

● परिश्रमी होना
● जीवन की कठिन परिस्थितियों में भी आनंद और उल्लास का होना
● समाज से कम लेना और अधिक लौटाना

*प्रश्न के तीनों हिस्सों का उपयुक्त उत्तर लिखने पर (1+1+2=4 अंक)
----
*पहले अथवा दूसरे हिस्से का उपयुक्त उत्तर लिखने और तीसरे हिस्से का विस्तृत उत्तर लिखने पर
अथवा
पहले और दूसरे हिस्से का उपयुक्त उत्तर लिखने और तीसरे हिस्से का संक्षिप्त उत्तर लिखने पर
(3 अंक)
----
*पहले और दूसरे हिस्से का उपयुक्त उत्तर लिखने और तीसरे हिस्से का उत्तर न लिखने पर
अथवा
*पहले और दूसरे हिस्से का गलत उत्तर लिखने और केवल तीसरे हिस्से का उपयुक्त उत्तर लिखने पर
(2 अंक)
----
* पहले अथवा दूसरे हिस्से का उपयुक्त उत्तर और तीसरे हिस्से का उत्तर नहीं लिखने पर
अथवा
* केवल तीसरे हिस्से का संक्षिप्त उत्तर लिखने पर (1 अंक)
----
*असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)
</td><td></td></tr>
<tr><td>(ग)</td><td>प्रश्न के पहले हिस्से के लिए परीक्षार्थी पाठ के आधार पर उपयुक्त उत्तर लिखेंगे-</td><td>4</td></tr>
</table>

	• प्रत्यक्ष अनुभव – जिसे हमने घटित होते हुए देखा हो • अनुभूति – जो घटना हमारे अनुभव की न हो, पर आंतरिक स्तर पर उसे हमने भोक्ता की तरह महसूस किया हो। प्रश्न के दूसरे हिस्से के लिए परीक्षार्थी उपयुक्त स्वतंत्र उत्तर लिखेंगे, **जैसे**- • अगर मैं लेखन के क्षेत्र में आया/आई तो अनुभव आधारित लेखन करूँगा/करूँगी क्योंकि वह प्रामाणिक होता है। *प्रश्न के तीनों हिस्सों का उपयुक्त उत्तर लिखने पर (2+1+1=4 अंक) ------------------------------ *पहले हिस्से का अपूर्ण उत्तर लिखने और दूसरे तथा तीसरे हिस्से का उपयुक्त उत्तर लिखने पर अथवा *पहले हिस्से का उपयुक्त उत्तर लिखने और दूसरे अथवा तीसरे हिस्से का उपयुक्त उत्तर लिखने पर (3 अंक) ------------------------------ *केवल पहले हिस्से का उपयुक्त उत्तर देने पर अथवा *पहले हिस्से का उत्तर न लिखने तथा दूसरे और तीसरे हिस्से का उत्तर लिखने पर अथवा *पहले हिस्से का अपूर्ण उत्तर लिखने और दूसरे अथवा तीसरे हिस्से का उपयुक्त उत्तर लिखने पर (2 अंक) ----------------------------- * पहले हिस्से का संक्षिप्त उत्तर लिखने पर अथवा दूसरे या तीसरे हिस्से का उत्तर लिखने पर (1 अंक) ------------------------------ *असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	
	[खंड - घ] (रचनात्मक लेखन)	20
12.	किसी **एक** विषय पर लगभग 120 शब्दों में एक अनुच्छेद लेखन अपेक्षित : **अनुच्छेद-लेखन :** • भूमिका = 1 अंक • विषयवस्तु = 3 अंक • निष्कर्ष = 1 अंक	6

	• भाषा शुद्धता = 1 अंक **विशेष निर्देश** :- • दिए गए संकेत बिंदुओं को शामिल करते हुए यथोचित विषय-वस्तु, स्तरीय और रचनात्मक भाषा प्रयोग पर पूरे अंक दिए जाएँ। • भाषा में बहुत अधिक अशुद्धियाँ होने पर ही अधिकतम एक अंक काटा जा सकता है। • सामान्य अशुद्धियों पर अंक न काटे जाएँ। • प्रस्तुतीकरण प्रभावी और उपयुक्त होने पर शब्द-सीमा के उल्लंघन पर अंक न काटे जाएँ।	
13. (क) अथवा (ख)	किसी **एक** विषय पर लगभग 100 शब्दों में पत्र लेखन अपेक्षित : **पत्र-लेखन :** • प्रारूप (आरंभ और अंत की औपचारिकताएँ) = 1 अंक • विषयवस्तु = 3 अंक • भाषा-शुद्धता = 1 अंक **विशेष निर्देश** :- • उपयुक्त प्रारूप होने पर ही पत्र माना जाए और अंक दिए जाएँ। • प्रारूप और आरंभ-अंत की औपचारिकताओं में किसी तरह का रूढ़ बंधन तय नहीं किया जाए। (दाएँ-बाएँ, सेवा में आदि पर अतिरिक्त ध्यान न दिया जाए।) • प्रस्तुतीकरण प्रभावी और उपयुक्त होने पर शब्द-सीमा के उल्लंघन पर अंक न काटे जाएँ। • भाषा में बहुत अधिक अशुद्धियाँ होने पर ही अधिकतम एक अंक काटा जा सकता है। • सामान्य अशुद्धियों पर अंक न काटे जाएँ।	5
14. (क)	किसी **एक** विषय पर लगभग 80 शब्दों में ईमेल अथवा स्ववृत्त लेखन अपेक्षित : **औपचारिक ई-मेल :** • प्रारूप = 1 अंक • विषयवस्तु = 3 अंक • भाषा-शुद्धता = 1 अंक **विशेष निर्देश:-** • उपयुक्त प्रारूप होने पर ही ई-मेल माना जाए और अंक दिए जाएँ। • प्रस्तुतीकरण प्रभावी और उपयुक्त होने पर शब्द-सीमा के उल्लंघन पर अंक न काटे जाएँ। • भाषा में बहुत अधिक अशुद्धियाँ होने पर ही अधिकतम एक अंक काटा जा सकता है। • सामान्य अशुद्धियों पर अंक न काटे जाएँ।	5

अथवा (ख)	**स्ववृत्त-लेखन:** • प्रारूप = 1 अंक • विषयवस्तु = 3 अंक • भाषा-शुद्धता = 1 अंक **विशेष निर्देश :-** • व्यक्तिगत जानकारी, शैक्षणिक योग्यताएँ आदि को शामिल कर यथोचित विषय-वस्तु, स्तरीय और उपयुक्त भाषा प्रयोग पर पूरे अंक दिए जाएँ। • भाषा में बहुत अधिक अशुद्धियाँ होने पर ही अधिकतम एक अंक काटा जा सकता है। • सामान्य अशुद्धियों पर अंक न काटे जाएँ। • प्रस्तुतीकरण प्रभावी और उपयुक्त होने पर शब्द-सीमा के उल्लंघन पर अंक न काटे जाएँ।	
15. (क) अथवा (ख)	किसी **एक** विषय पर लगभग 40 शब्दों में विज्ञापन अथवा संदेश लेखन - **विज्ञापन- लेखन** : • रचनात्मकता + प्रस्तुति = 1 अंक • विषयवस्तु = 2 अंक • भाषा-शुद्धता = 1 अंक **विशेष निर्देश :-** • विज्ञापन-लेखन में रंगों और चित्रों का प्रयोग अनिवार्य नहीं है। इसके लिए अंक न काटे जाएँ। • भाषा में बहुत अधिक अशुद्धियाँ होने पर ही अधिकतम एक अंक काटा जा सकता है। • सामान्य अशुद्धियों पर अंक न काटे जाएँ। **संदेश-लेखन** : • प्रारूप = 1 अंक • विषयवस्तु = 2 अंक • भाषा-शुद्धता = 1 अंक **विशेष निर्देश :-** • संदेश लेखन का कोई एक निश्चित प्रारूप नहीं है। परीक्षार्थी द्वारा किसी उपयुक्त प्रारूप के उपयोग पर ही अंक दिए जाएँ। • प्रस्तुतीकरण प्रभावी और उपयुक्त होने पर शब्द-सीमा के उल्लंघन पर अंक न काटे जाएँ। • भाषा में बहुत अधिक अशुद्धियाँ होने पर ही अधिकतम एक अंक काटा जा सकता है। सामान्य अशुद्धियों पर अंक न काटे जाएँ।	4